

हरिभूमि हिसार-हांसी मूर्ति

रोहतक, सोमवार 7 सितंबर 2026

खबर संक्षेप

25.120 ग्राम हेरोइन के साथ पकड़ा युवक

हिसार। सीआईए मिल गेट की टीम ने विश्वकर्मा कॉलोनी क्षेत्र से एक युवक को 25 ग्राम 120 मिलीग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सिसाय निवासी राजेश के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 25 ग्राम 120 मिलीग्राम हेरोइन बरामद हुई।

10.980 ग्राम हेरोइन के युवक को दबोचा

हिसार। सीआईए मिल गेट की टीम ने विश्वकर्मा कॉलोनी से एक युवक को 10 ग्राम 980 मिलीग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान पेटवाड़त्र गांव निवासी एवं हिसार की विश्वकर्मा कॉलोनी की झुग्गी में रहने वाले राकेश के रूप में हुई है।

आरोपी से मोबाइल व 500 रुपये बरामद

हिसार। सिविल लाइन थाना पुलिस ने मोबाइल फोन और नकदी छीनने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में छीना गया मोबाइल फोन और 500 रुपये बरामद किए हैं। थाना सिविल लाइन प्रभारी उप निरीक्षक कर्मजीत ने बताया कि न्यू शास्त्री नगर निवासी मनीष की शिकायत पर छीना-झपटी का मामला दर्ज किया गया था। शिकायत के अनुसार, दो युवकों ने उसका मोटरसाइकिल रुकवाकर मोबाइल फोन और 500 रुपये छीन लिए तथा मौके से फरार हो गए। मामले की जांच के दौरान मुख्य सिपाही मुकेश कुमार ने सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी व जांच माध्यमों की मदद से आरोपियों की पहचान की।

महिला से अश्लील हरकत करने वाला काबू
हिसार। सदर पुलिस ने महिला के साथ गाली-गलौज, अशोभनीय इशारे और अश्लील हरकत करने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश किया, जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जिला जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार 4 सितंबर को पीड़िता ने पुलिस चौकी में शिकायत देकर आरोप लगाया था कि उसके पड़ोस में रहने वाले अमित उर्फ मोधु ने दोपहर करीब 1:30 बजे उसकी तरफ देखकर अशोभनीय व गंदे इशारे किए। आरोप है कि आरोपी ने अपने कपड़े उतार दिए और महिला के साथ गाली-गलौज भी की। पीड़िता ने यह भी बताया कि आरोपी पहले भी इस तरह की हरकतें कर चुका था। शिकायत मिलने पर पुलिस ने केस दर्ज किया।

आभूषण चोरी करने में दो और गिरफ्तार

हिसार। अग्रोहा पुलिस ने मकान से सोने के आभूषण चोरी करने के मामले में अब तक तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मामले में पहले एक आरोपी को गिरफ्तार किया था, जबकि जांच आगे बढ़ने पर दो अन्य आरोपियों को भी दबोच लिया गया। पुलिस के अनुसार आदमपुर रोड, अग्रोहा मोड़ निवासी डॉ. ओमप्रकाश ने शिकायत देकर बताया था कि वह अस्पताल के ऊपर बने मकान में रहता है। गत 11 अगस्त को वह घूमने के लिए बाहर गया था। वापस लौटने पर उसने देखा कि मकान के एक कमरे में रखी अलमारी से सोने की चेन और सोने की अंगूठी गायब थी। शिकायत के आधार पर थाना अग्रोहा में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले की जांच करते हुए मुख्य सिपाही मंजीत सिंह ने सबसे पहले दीपक उर्फ बुंडा को गिरफ्तार किया था। आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। मामले की आगे की जांच के दौरान पुलिस ने दो अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान चुली बागड़ियान निवासी गरनेम उर्फ गरनेल व यादव कॉलोनी अग्रोहा निवासी नरपाल के रूप में हुई है।

राजगुरु मार्केट में आग का तांडव, तीसरी-चौथी मंजिल धू-धूकर जली अंदर से आती रही धमाकों की आवाज आस-पास के क्षेत्र में मची अफरा-तफरी



हरिभूमि न्यूज़ ►► हिसार
शहर के सबसे व्यस्त राजगुरु मार्केट में रविवार दोपहर उस समय हड़कंप मच गया, जब तेलियान पुल के पास अनिल स्कूल ड्रेस की दुकान की तीसरी और चौथी मंजिल अचानक आग के गोले में तब्दील हो गई। ऊपरी मंजिलों से उठती आग की ऊंची लपटों और धुएं का गुबार देखकर आसपास के दुकानदारों में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। आग के बीच दुकान के अंदर से लगातार धमाके जैसी आवाजें आती रहीं, जिससे लोगों में दहशत और बढ़ गई।

आग ने देखते ही देखते दुकान में रखे कपड़ों, स्कूल ड्रेस और पॉलीथिन सहित बड़ी मात्रा में सामान को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही दो फायर स्टेशनों से करीब पांच दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। आग इतनी विकराल थी कि दुकान में रखा कपड़ा और पॉलीथिन पिघलकर नीचे दमकलकर्मियों पर गिर रहा था।

आठ महीने से फरार हेरोइन सप्लायर राजस्थान से गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज़ ►► हिसार
नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस ने 36 ग्राम 600 मिलीग्राम हेरोइन बरामदगी के मामले में पिछले करीब आठ महीने से फरार चल रहे मुख्य सप्लायर को राजस्थान के हनुमानगढ़ से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान जावेद अख्तर के रूप में हुई है।

अग्रोहा थाना प्रभारी निरीक्षक ईश्वर सिंह ने बताया कि इस वर्ष 6 जनवरी को एंटी नारकोटिक सेल की टीम ने कार्रवाई करते हुए दो युवकों को 36 ग्राम 600 मिलीग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया था।

कार की टक्कर से ई-रिक्षा चालक की मौत

हरिभूमि न्यूज़ ►► हिसार
जन्माष्टमी की रात न्यू मॉडल टाउन में तेज रफ्तार एसयूवी की टक्कर ने 22 वर्षीय ई-रिक्षा चालक लाजपत राय की जिंदगी छीन ली। हादसा रात करीब 11:45 बजे हुआ। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ई-रिक्षा चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद एसयूवी चालक मौके से फरार हो गया। अब सामने आए सीसीटीवी फुटेज में पूरा



राजगुरु मार्केट में अनिल स्कूल ड्रेस की दुकान की ऊपरी मंजिलों में लगी भीषण आग व आग पर काबू पाने का प्रयास करता दमकलकर्म।

►► शॉर्ट शर्कित बताया जा रहा कारण

लौडिंग फायरमेन सज्जन कुमार लांबा ने बताया कि करीब डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। प्रारंभिक तौर पर आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। आग से दुकान में रखा काफी सामान जलकर राख हो गया। आग बुझाने के दौरान पुलिस ने आसपास खड़े वाहनों को हटवाकर दमकल गाड़ियों के लिए रास्ता साफ कराया।

बाजार में सामान्य दिनों की अपेक्षा कम थी भीड़
रविवार होने के कारण बाजार में सामान्य दिनों की अपेक्षा भीड़ कम थी। यही वजह रही कि आग लगने के बावजूद बड़ा हादसा टल गया। हालांकि आग की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में दुकानदार और लोग मौके पर जमा हो गए। राजगुरु मार्केट एसोसिएशन के पदाधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे और प्रभावित दुकानदार से घटना की जानकारी ली।

इसके बावजूद दमकलकर्मियों ने जान जोखिम में डालकर मोर्चा संभाले रखा और आग को नीचे की मंजिलों तक फैलने से रोक लिया। राजगुरु मार्केट और आसपास के

बाजारों में करीब 1500 से अधिक दुकानें और शोरूम हैं। अधिकांश प्रतिष्ठान बहुमंजिला इमारतों में संचालित हो रहे हैं। बाजार की संकरी गलियां और अक्सर होने



फोटो : हरिभूमि



आग पर काबू पाने में जुटे दमकलकर्म।

फोटो : हरिभूमि

वाली बेतरतीब पार्किंग के कारण आपात स्थिति में दमकल वाहनों के लिए रास्ता बनाना बड़ी चुनौती रहता है। रविवार को कम भीड़ और अपेक्षाकृत खाली रास्तों के कारण

दमकल वाहनों को घटनास्थल तक पहुंचने में मदद मिली। यदि यही आग सामान्य कारोबारी समय और भीड़भाड़ के बीच लगती तो हालात कहीं अधिक गंभीर हो सकते थे।

नहर में हथकड़ी से बंधा मिला युवक का शव, हत्या की आशंका



हरिभूमि न्यूज़ ►► हिसार
कैमरी गांव के पास नहर में एक युवक का हथकड़ी से बंधा शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। राहगीरों ने कैमरी-मीरकां रोड स्थित नहर में शव को पानी में बहते देखा तो तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची आजाद नगर थाना पुलिस ने शव को बाहर



हिसार। युवक का हथकड़ी लगा शव।

निकलवाया। युवक के दोनों हाथ पीछे की तरफ हथकड़ी से बंधे हुए थे, जबकि सिर पर गंभीर चोट के निशान मिले। इन परिस्थितियों को देखते हुए पुलिस प्रथमदृष्टया इसे हत्या का मामला मानकर जांच में जुट गई है।सूचना मिलते ही आजाद नगर थाना पुलिस के साथ सीन ऑफ क्राइम की फॉरेंसिक टीम भी

डाबड़ा-सातरोंड की ओर से बहकर आया शव

पुलिस की शुरुआती जांच के अनुसार सातरोंड नहर से डाबड़ा गांव की तरफ निकलने वाले नहर मार्ग के बहाव के साथ शव आगे बहत हुआ कैमरी-मीरकां क्षेत्र तक पहुंचा। अब पुलिस नहर के ऊपरी बहाव वाले इलाकों पर फोकस कर रही है। इन क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी जुटाई जा रही है। फिलहाल पुलिस के सामने सबसे बड़ा सवाल मृतक की पहचान और हत्या की वजह का है। पुलिस आसपास के जिलों में हाल में दर्ज हुई गुमशुदगी की रिपोर्टों की जानकारी जुटाने के साथ-साथ घटनास्थल से मिले सुरागों को जोड़ने में लगी है। जिला पुलिस ने नागरिकों से इस मामले में जानकारी देने की अपील की है।

मौके पर पहुंची और घटनास्थल से जहूरी साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने स्थानीय लोगों को मदद से शव को नहर से बाहर निकाला और कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल के शवगृह में भिजवा दिया। मृतक की उम्र लगभग 30 वर्ष आंकी जा रही है, लेकिन अभी तक

10 किलो 100 ग्राम गांजे का मुख्य सप्लायर गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज़ ►► हांसी

नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत अपराध शाखा-2 हांसी ने 10 किलो 100 ग्राम गांजा बरामदगी के मामले में मुख्य सप्लायर को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान टोहाना निवासी अरुण के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे अदालत में पेश किया, जहां से एक दिन का पुलिस रिमांड मिला। पुलिस के अनुसार 28 जुलाई को अपराध शाखा-2 की टीम ने

पुड़ी-मंगलखां रोड स्थित कब्रिस्तान के पास नाकाबंदी के दौरान इलेक्ट्रिक स्कूटी सवार दो युवकों को काबू किया था। तलाशी लेने पर उनके कब्जे से 10 किलो 100 ग्राम गांजा बरामद हुआ था। इस संबंध में थाना शहर हांसी में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। मामले में पुलिस दीपक निवासी टोहाना और कृष्ण निवासी हनुमान कॉलोनी को पहले ही गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज चुकी है।

बस स्टैंड से रेलवे स्टेशन तक बनेगी नई सड़क, फिरनी व नाले का होगा निर्माण : गंगवा

बुगाना में 3.19 करोड़ से होंगे विकास कार्य



लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियंत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने रविवार को गांव बुगाना में करीब 3.19 करोड़ रुपये के विकास कार्यों



बरवाला। बुगाना में विकास कार्यों का शिलान्यास करते कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा।

की आधारशिला रखी। उन्होंने बस स्टैंड से रेलवे स्टेशन तक नई सड़क तथा मुख्य बस स्टैंड से राजकीय विद्यालय तक आईपीबी

फिरनी व नाला निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। बस स्टैंड बुगाना से रेलवे स्टेशन तक 2.50 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण

युनियन प्रधान गिरफ्तार, सुरेंद्र उर्फ गोलू को नगर...



सप्तक्रांति के माध्यम से राष्ट्र में जन जागृति पैदा कर...



श्री काली देवी विद्या मंदिर में दिया तकनीकी प्रशिक्षण

हांसी। श्री काली देवी विद्या मंदिर ने सीबीएसई के तत्वावधान में दो दिवसीय शिक्षक क्षमता संवर्द्धन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यशाला में शिक्षकों को मूल्य आधारित शिक्षा और जीवन कौशल से जुड़ी नवीन तकनीकों एवं गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम के पहले दिन 'वैल्यू एजुकेशन' विषय पर सीबीएसई की मंनोनीत रिसोर्स पर्सन कनिका एवं चौरैद ने शिक्षकों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों के विकास और कक्षा में इनके प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा की। दूसरे दिन 'लाइफ स्किल्स एडवांस' विषय पर कनिका एवं सुमन बल्हारा ने प्रशिक्षण दिया। उन्होंने आत्मविश्वास, प्रभावी संवाद और समस्या-समाधान जैसे जीवन कौशल विकसित करने वाली गतिविधियों की जानकारी दी। कार्यशाला में विद्यालय के सभी शिक्षकों ने सक्रिय भागीदारी की। विद्यालय की प्राचार्या गौता मेहता ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सीबीएसई एवं सभी रिसोर्स पर्सन का आभार व्यक्त किया।



विद्यार्थियों के चरित्र, व्यक्तित्व व सोच का निर्माण करते शिक्षक : प्रो. बीआर कम्बोज

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों की ओर से कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने कहा कि प्रत्येक वर्ष महान शिक्षाविद्, दार्शनिक एवं भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के अवसर पर शिक्षक दिवस मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकियों ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति के चरित्र, व्यक्तित्व और सोच का निर्माण करती है। शिक्षक विद्यार्थियों को विषय का ज्ञान देने के साथ-साथ जीवन में सही दिशा, अनुशासन और चुनौतियों का सामना करने का साहस भी प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षक और विद्यार्थी के बीच संबंध केवल कक्षा और पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि यह विश्वास, सम्मान और मार्गदर्शन पर आधारित होना चाहिए। एक शिक्षक का ज्ञान विद्यार्थी का भविष्य बदल सकता है और विद्यार्थी की सफलता पूरे समाज के भविष्य को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। कुलपति ने विद्यार्थियों से अपने शिक्षकों के साथ सदैव विनम्र, अनुशासित और सम्मानजनक व्यवहार करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षकों के अनुभव और ज्ञान का सम्मान करते हुए उनसे सीखने की जिज्ञासा रखनी चाहिए। शिक्षकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता की भावना अच्छे विद्यार्थी के संस्कारों और व्यक्तित्व की पहचान होती है।

हथकड़ी से बड़ा रहस्य

पुलिस जांच में सामने आया कि युवक के हाथ बांधने के लिए इस्तेमाल की गई हथकड़ी पुलिस विभाग की नहीं है। ऐसे में पुलिस को आशंका है कि आरोपियों ने हथकड़ी ऑनलाइन मंगवाई हो सकती है। अब जांच टीम यह पता लगाने में जुटी है कि हथकड़ी कहां से खरीदी गई और इसे किसने मंगवाया था।

प्रतीत हो रहा है। इस्तेमाल की गई हथकड़ी मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका सही पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल पाएगा। पुलिस आसपास के क्षेत्रों और विभिन्न थानों में दर्ज गुमशुदगी की रिपोर्ट भी खंगाल रही है।

खाते से 99 हजार 990 रुपये उड़ाने वाला गिरफ्तार

हांसी। मोबाइल फोन चोरी करने के बाद बैंक खाते से 99 हजार 990 रुपये निकालने के मामले में साइबर क्राइम थाना पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान मोहाली निवासी सोहेल सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे अदालत में पेश कर दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। पुलिस के अनुसार शिकायतकर्ता 6 जून को हांसी रेलवे स्टेशन से ट्रेन में सफर कर रहा था। इसी दौरान उसका मोबाइल फोन चोरी हो गया। उसने यूटीआई, नेट बैंकिंग और एटीएम कार्ड बंद करवा दिए थे। 9 जून को बैंक स्टेटमेंट की जांच करने पर अलग-अलग लेन-देन के जरिए खाते से 99 हजार 990 रुपये निकाले जाने का पता चला। इसके बाद साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराई गई। सहायक उप निरीक्षक प्रेम कुमार ने बताया कि शिकायत के बाद तकनीकी और साइबर माध्यमों से जांच करते हुए सोहेल सिंह को गिरफ्तार किया गया। पुलिस रिमांड के दौरान आरोपी से चोरी किए गए मोबाइल, बैंक खातों, ठगी की रकम के लेन-देन और वारदात में शामिल अन्य लोगों के बारे में पूछाछ की जाएगी।

बस स्टैंड से रेलवे स्टेशन तक बनेगी नई सड़क, फिरनी व नाले का होगा निर्माण : गंगवा

लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियंत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने रविवार को गांव बुगाना में करीब 3.19 करोड़ रुपये के विकास कार्यों

की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनके प्राथमिकता के आधार पर समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने खर्च किए जाएंगे। मंत्री ने कहा कि इन कार्यों से गांव में आवागमन और जल निकासी की सुविधा बेहतर होगी।

रणबीर गंगवा ने बताया कि गांव की पेयजल व्यवस्था में सुधार के लिए जलधर का अतिरिक्त टैंक बनाने का 3 करोड़ 36 लाख रुपये का प्रस्ताव मंजूरी के लिए भेजा गया है। उन्होंने सरपंच की ओर से रखी गई मांगों को पूरा करवाने का आश्वासन भी दिया। मंत्री ने ग्रामीणों

को उनके प्राथमिकता के आधार पर समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने विकास कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने को कहा। कार्यक्रम में सरपंच उषा रानी, सोनू वर्मा, एसडीएम अश्वीर नैन, ओपी मालिया, अजयकांत जांगड़ा, कमल हिंदूना, कृष्ण यादव सरपंच, रोशन घनघस, पवन शर्मा, बनवारी लाल, सतवीर नागर सरपंच, रोहतास दुमगल सरपंच, विजय सरपंच, प्रमेश सरपंच, पूर्ण सरपंच भजनलाल और प्रधान कृष्ण वर्मा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।



कहानी
अशोक जैन

अनबूझा प्रश्न 'स्व' और 'सवि'

सवि और स्व - दो नाम मेरे लिए परिचित हैं। इनकी कहानी को कितनी ही बार कागजों पर उतारना चाहा, हर बार कुछ पृष्ठ काले करके अधूरी ही छोड़ दी। 'स्व' के आंसुओं में भीगी और 'सवि' की मधुर खिलखिलाहट में डूबी इस व्यथा कथा को आज लिखने की कोशिश कर रहा हूँ।

मेरे सामने अभी भी दोनों के पत्र खुले पड़े हैं। हवा के एक झोंके ने उन्हें सर से उड़ा दिया। 'सवि' का पत्र छिटक कर दूर जा गया। 'स्व' का पत्र अभी भी वहीं पड़ा है --मुस्कुरा दिया मैं - स्व और सवि और विधि का व्यंथा। बहुत चाहा दोनों को मिलाना- लेकिन दोनों चली गई स्नेह की छाया और आँखों में शिकायत लिए। बचपन में मैंने फूल के दो पौधे लगाए थे। दोनों पास ही खड़ी थी। मैंने सरल भाव से पौधों को इंगित करते हुए कहा था- यह स्व और वह सवि। हंस दी थी दोनों। वसंत आया, फूल के दोनों पौधे बढ़ते गए और फिर पतझड़ के क्रूर शिकंजे ने अपना जौहर दिखा दिया। सवि के पौधे पर कलियां खिलीं पर स्व के पौधे पर कभी बहार न आई और न ही फूल खिले। मुझे चोट पहुंचती। मैं विचलित हो उठता और खाली समय में दोनों पौधों को सींचता, सहलाता पर स्व के उदास पौधे को जिला नहीं सका। दिन गुजरते गए - दोनों के स्वभाव में काफी अंतर था। एक शांत और गंभीर, दूसरी चंचल पर मुझे दोनों प्रिय थीं।

स्व' मेरे खामोश जीवन का सहारा थी, मेरी गंभीर प्रवृत्ति और मेरे लेखन की प्रेरणा। 'सवि' मेरे जीवन का लावण्य, मेरी मुस्कुराहट। दोनों को मुझसे प्रेम था पर उनके स्नेह में भी अंतर था। 'स्व' के स्नेह में शीतलता और 'सवि' तो थी ही उष्णता। मैं अनुजाने में ही शायद 'स्व' की ओर अधिक ध्यान दिया करता। मुझे मालूम था कि उसे सहारा चाहिए, किसी के स्नेह का आवरण चाहिए। नहीं तो वह मिट जाएगी। और फिर वह इस बात से भी अनभिज्ञ नहीं थी कि मैं उसका भाई नहीं हूँ। यही कारण था कि शायद अनजाने में ही मौसी की उस अनाथ लड़की के प्रति मुझे अपार स्नेह हो गया था। 'सवि' अपनी मृगनयनी आंखों में आंसू भर कर कहती- 'भैया। तुम स्व को मुझसे अधिक चाहते हो।' मैं डांट देता। और सवि रोती हुई मां के पास चली जाती। मां के डांटने से पहले ही हम दोनों रफूचक्कर हो जाते थे। दिन- माह - वर्ष आए और चले गए। 'स्व' को कला से प्रेम था और 'सवि' को संगीत से। 'सवि' ने संगीत में एम ए किया और 'स्व' ने आर्ट में पंचवर्षीय कोर्स। मैंने एमबीबीएस किया और डाक्टर बन गया। 'स्व' की प्रेरणा का ही परिणाम था यह। हमेशा कहा करती थी 'आप डाक्टर बनो। कितनी प्रसन्नता होगी मुझे जिस दिन सैकड़ों पीड़ितों के प्राण बचा सकोगे।' मैं तब गर्व से कहूंगी - ये मेरे भैया हैं।' मैं हंस देता। स्नेह से उसके बालों



सवि ने आज भी पत्र में वही उलाहना दिया है - ‘भैया। मेरी परवाह क्यों करने लगे आप! स्व जो है’। स्व और सवि के रास्ते अलग-अलग हैं, लेकिन एक भाई की अपनी बहन के लिए तमन्ना यही होती है कि वह खुश रहे। लेकिन आज भी वह प्रश्न अनबूझा ही है कि दोनों में मुझे कौन अधिक प्रिय है। स्व के बिना सवि की हंसी हंसी नहीं लगती और सवि के बिना स्व की सिसकियों में दुख का आभास नहीं होता।

को थपकी देकर कहता- जा सो जा। या रातभर भैया के सिरहाने बैठी रहेंगी। 'ऐसा मेरा सौभाग्य कहां!' 'स्व' मुस्कुराने का असफल प्रयास करती। उस मुसकुराहट में विषाद की रेखा होती। इसके कारण से मैं अनभिज्ञ नहीं था। बचपन में ही 'स्व' के माता पिता की कार दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी और मां अपनी बहन की उस बच्ची को अपने पास ले आई थी। परन्तु 'व' जैसे जैसे बड़ी होती गई, मां उससे खिंचती चली गई। 'सवि' का बचपना करना सभी को अखरता। मासूम 'स्व' पर उसका गुस्सा उतरता। मैं कुछ भी करने का साहस नहीं जुटा पाता। मां के व्यंग बाण और सवि

की खिलखिलाहट उसे वेदना पहुंचाते। जब कभी भी अत्यंत दुखी हो जाती तो मेरे कमरे में आकर रोने लगती। मैं उसे सांत्वना देता। 'मेरी नन्हीं दीदी, रोती क्यों है?' वह रोती रहती। फिर सिसकियां धीरे-धीरे कम होने लगती। 'स्व' मां के साथ पर का सारा काम काज करवाती पर इसका श्रेय उसे कभी नहीं मिलता। एक दिन उसे बुखार था। काम नहीं कर पाई तो मां ने आंगन में खड़े हो कर कहा था- 'तो क्या मेरी फूल सी' 'सवि' काम करें।' 'मां' मैं चौख उठा था। 'यह कैसा अन्याय है। कुछ तो सोचो। वो भी तुम्हारी बेटी की तरह है।'

‘बेटी तो नहीं है न!’ मां ने और ऊंचे स्वर में कहा था। कुछ वर्ष और-- 'स्व' ने 21 वां और 'सवि' ने 20वां वर्ष पूरा किया। मां को 'सवि' के विवाह की चिंता हुई तब धीरे से मैंने कहा था 'मां। स्व बड़ी है। पहले उसकी शादी तो होने दो।' मां नाराज हो गई थी र सारा दिन 'स्व'-- 'स्व' ! जाने क्या जादू कर दिया है इस लड़की ने? 'पर जब मां शांत हुई उन्होंने मुझे बुलाकर कहा-'शरद। श्रीमती केशव का पत्र आया है। लिखा है कि उसका भाई रमन इंजीनियरिंग करके लौटा है। अपनी 'सवि' को देखने आ रहे हैंरमन सब सुना समझा। 'ह रहकर' स्व' की आंखों में तैरता एक अनबूझा प्रश्नचिह्न मुझे व्यथित करने लगाता- भैया मेरा अपराध क्या है!! कुछ दिन बाद मां के कहने पर मैं श्रीमती केशव और रमन को लेने स्टेशन गया था। लौटने पर जब काल बैल के बजने पर 'स्व' को द्वार पर खड़े पाया तो चौंक गया। मां की सख्त हिदायत के बावजूद 'स्व' यहां कैसे! फिर ख्याल आया कि हम समय से पहले आ गये थे।

मैं रमन की ओर मुड़ा। सुन्दर चेहरे पर प्रशंसनीय भाव थे। 'स्व' को जब वस्तुस्थिति का भान हुआ तो संकोच से आंखें नीची कर के भाग गई। 'मिसेज केशव ने पूछा 'यही।' 'जी हां। यही मेरी बहन है --'बहुत बड़े सत्य को झुठला दिया था मैंने। तभी मां का तमतमाया चेहरा मेरे जहन में उभरा। मां को जब सत्य का पता चला तो मेरे सामने ही हाथ से कांच की प्लेट जमीन पर दे मारी। कांच का एक टुकड़ा छिटक कर मेरे माथे पर आ लगा। घाव तो समय रहते भर गया पर निशान आज भी मौजूद है। 'सवि' को देखकर भी रमन ने 'स्व' को पसंद किया। मां 'स्व' और रमन की शादी में सम्मिलित नहीं हुई। 'स्व' की विदाई के समय रमन के कंधे पर हाथ रखकर मैंने कहा था -'रमन बाबू! 'स्व' मेरी बहन से बढ़कर है, उसे ...'

रमन मुस्कुरा दिया-'आपके स्नेह की थाह उसी दिन देख ली थी जब द्वार पर खड़ी 'स्व' को आपने अपनी बहन कहा था।' कुछ माह पश्चात 'सवि' भी चली गई। मां बहुत चाहने पर भी मुझसे नाराज नहीं रह पाई। आज सोचता हूं मैंने वही किया जो मेरा कर्तव्य था। 'सवि' ने आज भी पत्र में वही उलाहना दिया है - 'भैया। मेरी परवाह क्यों करने लगे आप! 'स्व' जो है।'

'स्व' और 'सवि' के रास्ते अलग-अलग हैं, लेकिन एक भाई की अपनी बहन के लिए तमन्ना यही होती है कि वह खुश रहे। लेकिन आज भी वह प्रश्न अनबूझा ही है कि दोनों में मुझे कौन अधिक प्रिय है। 'स्व' के बिना 'सवि' की हंसी हंसी नहीं लगती और 'सवि' के बिना 'स्व' की सिसकियों में दुख का आभास नहीं होता।

कवि कॉर्नर
गजल आशा खत्री लता



नकली जिनकी
मुस्कानें हैं

नकली जिनकी मुस्कानें हैं
उनके वर्क उतर जाने हैं।

दीप दिखाये जो सूरज को
उनके सच भी खुल जाने हैं।

गीत गजल औ कथा कहानी
सभी पीर की संतानें हैं।

पीड़ा व्यथा दर्द जख्म सब
आँसू में ही ढल जाने हैं।

जिनसे गीत उपजता मगरुह
वो दिल कितने वीराने हैं।

रोज नयी पीड़ा है दिल में
रोज नये ही अफसाने हैं।

कविता जय प्रकाश पंडेय



सुख का
साम्राज्य

कभी चलती है मस्त मलय
गुनगुनाती मुस्कराती
उपनव के एक कोने से
दूसरे कोने तक
झूमती है डालें
खिलते है फूल
चहचहाते पक्षी
उछलते कुदते
जीव जंतु
सुख का साम्राज्य
कभी रुक जाती वही हवा
बेरुखी बदहाल
सबका बुरा हाल
अस्त व्यस्त सब
क्या ही करे अब
बेहाल परेशान
गुरुझुगे फूल
फांदते पड़े फूल
सब रुक गया सा
कुछ लुट गया सा
सब कुछ तो वही है
पवन ही न बही है
चले दूंदते है
पवन में उसको
उसको पवन में
सुकुण
वह पहले भी न था
अब भी गायब है
सब अहसासों में ॥

सोशल मीडिया में गालियों का सुपर मार्केट



व्यंग्य रेखा शाह आरबी

सच बता रहे हैं चतुरी जी गाली अक्षर का 'ग' भी नहीं जानते थे। वह उतने ही भोले-भाले थे जितना किसी कविता में एक नवजात शिशु रहता है। जो अल्ले-ले-ले की भाषा के अलावा कुछ समझता ही नहीं है। वह तो किसी वेद, पुराण, भाषा विज्ञान को नहीं समझता है। फिर गालियों की तो बात ही क्या करनी है। चतुरी जी तो ऐसे थे कि यदि कोई कभी-कभार उनके जानने वाला गाली दे दे, तो वह चार लोगों से उसका अर्थ भावार्थ पूछते हुए चलते थे। तब जाकर उनकी समझ में आता था कि आखिर उस व्यक्ति ने उन्हें कहा क्या है। यह दुनिया तो लोगड़ी के जैसे है। पर चतुरी जी मासूम पांडा जैसे जीव थे। ऐसे जिसे उसी का मन मासूमियत से मोह ले।

उनकी मासूमियत तो म्युजियम में रखने लायक चीज थी अर्थात बहुत कोमती - दुर्लभ थी। पर हाय रे यह दुनिया और हाय रे दुनिया वाले, अनमोल चीजों की कवर करना जानते ही नहीं है। रोज उनकी मासूमियत को नीलाम करना चाहते हैं। उनकी भी अपने के जैसे रंग में ढालने का इंतजाम कर लिए। अब बताते हैं कि कैसे करना चाहते हैं। चतुरी जी ने दुनिया से जो सीखा, वह तो खैर सीखा ही, लेकिन इतना नहीं सीखा, जितना सोशल मीडिया ने उनको सिखा दिया। और उतना सीखना भी नहीं चाहिए था। एक दिन सोशल मीडिया पर अपना अकाउंट बना लिया। मजे के लिए बनाया

देश की सारी मिसाइल में उतनी आग नहीं रहती है, जितनी उनकी गालियों में रहती है। सुनने वाला सुनकर ही मर जाए। मुंह से जहर ऐसे निकलते हैं जैसे अमृत निकालते हैं। कुछ लोग तो इस कुक्कुर झौंवा के परमानेंट सदस्य होते हैं। जो रोज पहली फुर्सत से पंचायत लगाते हैं। उसके बाद उस पर कुक्कुर झौंवा करने सोशल मीडिया पर बैठते हैं।

गया अकाउंट एक तरह से उनके कोचिंग क्लास में ही बदल गया। इसके सिलेबस एकदम फिक्स थे। टीचर हद दर्जे के काइयां थे। पर पूरे अव्वल दर्जे के अपने विषय के ज्ञाता थे। मजाल कि कोई उनसे जीत जाये। अब चतुरी जी कोई भगवान थोड़े ना थे। वह भी इंसान थे, उनके अंदर भी जज्बात और भावनाएं थी, तो उनके ऊपर भी प्रभाव पड़ना लाजमी था। वह कहा जाता है 'जेसी संगति वैसे विचार' हो जाते हैं, सही ही कहा गया है।

अब तो आप सब जानते ही हैं। सोशल मीडिया में रोज किसी न किसी के बीच में

कुक्कुर झौंवा मचा रहता है। सोशल मीडिया में रोज तो किसी न किसी के बीच में कुश्ती होती ही रहती है। कुश्ती के बीच में एक-दूसरे पर मौकने के चक्कर में खूब भौ-भौ तो करते ही हैं। कुछ कौवे के जैसे कांव-कांव करते हैं। कुछ यहां पर शेर के जैसे गरजते हैं, तो कुछ लकड़बक्का टाढ़प के भी हैं। बातों की लारें और गालियों की मिसाइल बरसाते हैं।

देश की सारी मिसाइल में उतनी आग नहीं रहती है, जितनी उनकी गालियों में रहती है। सुनने वाला सुनकर ही मर जाए। मुंह से जहर ऐसे निकलते हैं जैसे अमृत

निकालते हैं। कुछ लोग तो इस कुक्कुर झौंवा के परमानेंट सदस्य होते हैं। जो रोज पहली फुर्सत से पंचायत लगाते हैं। उसके बाद उस पर कुक्कुर झौंवा करने सोशल मीडिया पर बैठते हैं।

कुछ लोग टैंपरेरी होते हैं। जब खाली समय रहता तो देखने के लिए चले आते हैं और कुछ दर्शक भी होते तो चतुरी जी भी दर्शक हैं। वह कहावत तो आपने सुनी ही होगी कि देखते देखते इंसान मूर्ख से होशियार बन जाता है। वैसे ही चतुरी जी इस कुक्कुर झौंवा के बीच में गालियां सुनते-सुनते गालियों के एक्सपर्ट बन चुके हैं। अपना सोशल मीडिया तो गालियों का सुपर मार्केट है।

आपकी किस किस्म की गाली चाहिए, बस आपकी डिमांड के अनुसार यहां पर सभी गालियां चलती हैं। एकदम नए-नए बांड की गालियां सोशल मीडिया पर ही सुजन पाती हैं। पुरानी से लेकर नई सभी गालियां यहां पर आपको थोक के भाव में मिलती हैं। चतुरी जी तो पक्के हो गए हैं। जिसकी भी गाली नहीं आती है, वह इस सुपर मार्केट में आकर अपने मनपसंद की गाली लेकर खरीदना भी नहीं है। वैसे ही मुफ्त में सीख सकते हैं। यही इस मार्केट की सबसे बड़ी खूबी है।

लघु कथा

कुशल प्रबंधन

सीमा और नेहा अपनी-अपनी बालकनी में खड़ी होकर बातें कर रही थीं। तभी सीमा की नजर गली से गुजरती गृहकार्य सहायिका गीता पर पड़ी। वह सीमा और नेहा के अतिरिक्त अड़ोस पड़ोस के कुछ ओर भी घरों में काम करती थी। सीमा ने उसकी पहनी हुई साड़ी की तरफ इशारा करते हुए नेहा से कहा 'यह साड़ी तुम्हारी है ना?' हां, मैंने इसे पांच-सात बार पहन लिया था। वैसे अच्छी साड़ी है, इसके खूब चलेगो।' नेहा ने कहा। 'यह सबकी दी हुई साड़ियां तो पहन लेती है पर पता नहीं मेरी दी हुई साड़ियां क्यों नहीं पहनती जबकि मैं इसे हमेशा नई साड़ी ही देती हूँ।' सीमा ने मायूसी भरे स्वर में कहा, 'मैंने कई बार टोका भी पर यह कहती है कि मेरी साड़ियां नई होती हैं इसलिए आने-जाने में पहनती है काम में नहीं, पर कभी तो मेरे सामने भी पहनकर आए।' नेहा थोड़ी देर किसी सोच में डूब गई, जैसे सोच रही हो कि कहे या नहीं। आखिर उसने कहना शुरू किया, 'इसका तो मुझे पता नहीं पर इससे पहले मैं जहां रहती थी वहां पाप ही के खाली प्लांट में एक मजदूर परिवार रहता था। मैं उन लोगों को एकदम नए कपड़े, नए बर्तन, कंबल आदि देती रहती थी लेकिन मैंने उनको अपने लिए सामान का कभी इस्तेमाल करते हुए नहीं देखा। मैंने ज्यादा गौर भी नहीं किया।'

'एक बार मैं रिकशा से कहीं जा रही थी, तब मैंने उस मजदूर महिला को एक दिन पहले मेरा दिया हुआ कंबल एक ठेले वाले को बेचते देखा। तब मुझे समझ में आया कि ये लोग नया सामान इस्तेमाल न करके बेच देते हैं। इसके बाद मैंने सोच लिया कि अब से मैं अपने द्वारा उपयोग में लाने के बाद ही सामान दिया करूंगी ताकि ये उसे बेचने के बजाय खुद इस्तेमाल करें। इसलिए मैं गीता को एकदम नई साड़ी नहीं देती।' सीमा ने भी सोच लिया था कि वह कल गीता से इस बारे में बात करेगी। अगले दिन जब गीता आई तो सीमा ने साफ-साफ शब्दों में पूछ लिया कि क्या वह उसकी दी हुई साड़ियां बाजार में बेच देती है?

गीता इस अप्रत्याशित प्रश्न से एकदम सकपका गई। 'क्या कह रही हो दीदी, मैं ऐसा क्यों करूंगी? आप जानना चाहती हैं ना कि मैं आपकी दी हुई साड़ियां क्यों नहीं पहनती। दरअसल बात यह है कि मेरी दो ननंदें और एक छोटी बहन हैं। मुझे उन लोगों को भी उपहार स्वरूप साड़ियां देनी होती हैं इसलिए मैं खुद को मिलने वाली सभी नई साड़ियां रख लेती हूँ और वे जब भी मेरे पास मिलने आती हैं तो उन्हें भेंट स्वरूप वही साड़ियां दे देती हूँ।' मेरे पहनने के लिए तो मुझे पुरानी साड़ियां मिल ही जाती हैं। अब मैं नई साड़ी पहनूँ और फिर उनके लिए बाजार से खरीद कर लाऊँ तो मेरा बजट बिगड़ जाएगा ना।'

गीता के इस जवाब ने सीमा के सारे संशय धो डाले। सीमा ने गीता के कुशल गृह प्रबंधन के साथ रिश्तेदारी निमाने के तरीके की सराहना की। अब उसे गीता से कोई शिकायत नहीं थी।

पुस्तक समीक्षा

बहुआयामी व्यक्तित्व का शब्द

चित्र है 'सृजन के शिखर'



समीक्षक

डा. मधुकान्त

डॉ. चंद्र त्रिखा के जीवन और व्यक्तित्व पर आधारित कृति 'सृजन के शिखर' केवल एक पुस्तक नहीं, बल्कि एक ऐसे बहुआयामी व्यक्तित्व का शब्द-चित्र है जिसने साहित्य, पत्रकारिता और समाज सेवा के क्षेत्र में अमिट छाप छोड़ी है। माधव कौशिक और सुमेधा कटारिया द्वारा संपादित यह ग्रंथ डॉ. त्रिखा के प्रति विभिन्न लब्ध प्रतिष्ठित रचनाकारों, प्रशासनिक अधिकारियों और उनके करीबियों के श्रद्धा-सुमन का संकलन है। पुस्तक की शुरुआत डॉ. त्रिखा के सेवानिवृत्त स्वरूप से होती है। जस्टिस अमरजोत भट्टी के शब्दों में, डॉ. त्रिखा ने मानवता को केन्द्र में रखकर सेवा को अपना धर्म बनाया है। वह न केवल एक प्रखर होम्सोपैथिक चिकित्सक हैं, बल्कि करुणा और संवेदनशीलता के जीवंत प्रतीक भी हैं। त्रिखा



मैडिकल मिशन के माध्यम से उन्होंने समाज के वंचित और उपेक्षित वर्गों के लिए जो कार्य किए हैं, वे आज के समय में अनुकरणीय हैं। डॉ. त्रिखा का स्वभाव ऐसा है कि वे पहली ही मुलाकात में किसी को भी अपना बना लेते हैं। पत्रकारिता के क्षेत्र में उनका योगदान, विशेष रूप से हरियाणा साहित्य अकादमी के माध्यम से किए गए नवाचारी कार्य, उन्हें एक कुशल नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित करते हैं। पुस्तक की विषय-सूची ही इसकी व्यापकता की गवाही देती है। इसमें डॉ. सुमन सेनी, डॉ. मोहित गुप्ता, डॉ. पवन कुमार शर्मा और उमा शर्मा जैसे अनेक लेखकों के लेख संकलित हैं, जो डॉ. त्रिखा के जीवन के विभिन्न पड़ावों, अविरोध की मिट्टी से जुड़ाव, चंडीगढ़ में उनकी सक्रियता और दिल्ली के साहित्यिक गलियारों में उनकी उपस्थिति- पर प्रकाश डालते हैं। प्रत्येक लेखक ने उन्हें अलग-अलग उपमाओं से नवाजा है, जैसे अगाध ज्ञान की रोशनी गुफा, सृजनशील संत, और असाधारण व्यक्तित्व। पुस्तक के पिछले आवरण पर दिए गए उद्धरण इस कृति के सार को और स्पष्ट करते हैं। निष्कर्षतः 'सृजन के शिखर' डॉ. चंद्र त्रिखा के विराट व्यक्तित्व को समझने का एक सशक्त माध्यम है। यह पुस्तक दर्शाती है कि कैसे एक व्यक्ति अपने भीतर एक चिकित्सक, संपादक, कवि, प्रशासक और सबसे महत्वपूर्ण एक नेक इंसान को एक साथ जीवित रख सकता है। यह कृति पाठकों को सेवा, करुणा और निरंतर कर्मठता की प्रेरणा देती है। यह केवल एक व्यक्ति की जीवनी नहीं है, बल्कि मानवता के प्रति अटूट विश्वास की एक जीवंत गाथा है जो आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मार्गदर्शक का कार्य करेगी।

कुछ हटकर

एआई से घबराएं नहीं
करियर में बनाएं ताकत

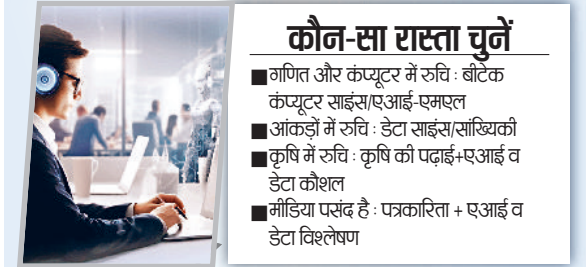
सेंट्रल डेस्क

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई अब केवल कंप्यूटर की दुनिया तक सीमित नहीं रह गई है। पढ़ाई से लेकर बैंकिंग, चिकित्सा, कृषि, मीडिया और कारोबार तक इसका इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में विद्यार्थियों के सामने करियर को लेकर एक नया सवाल खड़ा हो गया है कि एआई के दौर में किस क्षेत्र को चुना जाए। विशेषज्ञों के मुताबिक हर छात्र के लिए एआई इंजीनियर बनना जरूरी नहीं है। जरूरत इस बात की है कि विद्यार्थी अपने पर्सनल क्षेत्र की विशेषज्ञता के साथ एआई का इस्तेमाल करना सीखें। आने वाले समय में तकनीकों की समझ रखने वाले डॉक्टर, शिक्षक, वकील, पत्रकार, कृषि विशेषज्ञ और वित्त विशेषज्ञों के लिए भी नए अवसर पैदा हो सकते हैं। ऐसे में 10वीं और 12वीं के बाद विषय चुनने से लेकर उच्च शिक्षा और नौकरी तक विद्यार्थियों को बदलती जरूरतों को

कहां से करें पढ़ाई

- एनआईईएलआईटी : एआई, मशीन लर्निंग, डेटा साइंस और कंप्यूटर से जुड़े पाठ्यक्रम।
- स्वयं-एनपीटीईएल : आईआईटी और अन्य संस्थानों के ऑनलाइन पाठ्यक्रम।
- आईआईटी के एआई और एआईटी : बीटैक, एमटेक और शोध के लिए बेहतर विकल्प।
- विश्वविद्यालय और निजी संस्थान : एआई, मशीन लर्निंग और डेटा साइंस में स्नातक व स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम।
- ऑनलाइन पाठ्यक्रम : कॉलेज की पढ़ाई के साथ एआई के छोटे प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम किए जा सकते हैं।

ध्यान में रखना होगा। सही पाठ्यक्रम, जरूरी कौशल और व्यावहारिक अनुभव के साथ एआई को करियर की चुनौती नहीं, बल्कि नई संभावना बनाया जा सकता है।



कौन-सा रास्ता चुनें

- गणित और कंप्यूटर में रुचि : बीटक कंप्यूटर साइंस/एआई-एमएल
- आंकड़ों में रुचि : डेटा साइंस/सांख्यिकी
- कृषि में रुचि : कृषि की पढ़ाई/एआई व डेटा कौशल
- मीडिया पसंद है : पत्रकारिता + एआई व डेटा विश्लेषण

प्रमुख करियर विकल्प

- एआई एवं मशीन लर्निंग : एआई इंजीनियर, मशीन लर्निंग इंजीनियर, एआई शोधकर्ता
- डेटा साइंस : डेटा वैज्ञानिक, डेटा विश्लेषक, बिजनेस विश्लेषक
- साइबर सुरक्षा : साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ, सुरक्षा विश्लेषक-रोबोटिक्स : रोबोटिक्स इंजीनियर, स्वचालन विशेषज्ञ
- स्वास्थ्य तकनीक : चिकित्सा आंकड़ा विश्लेषण, स्वास्थ्य तकनीक
- कृषि तकनीक : फसल, मौसम और मिट्टी के आंकड़ों का विश्लेषण
- बैंकिंग एवं वित्त : जोखिम विश्लेषण, धोखाधड़ी पहचान, वित्तीय आंकड़ा विश्लेषण

शुरुआती वेतन कितना

- एआई/मशीन लर्निंग : लगभग 5-12 लाख रुपये सालाना
 - डेटा साइंस : लगभग 4-10 लाख रुपये सालाना
 - साइबर सुरक्षा : लगभग 4-8 लाख रुपये सालाना
 - बैंकिंग/वित्त : लगभग 4-9 लाख रुपये सालाना
 - स्वास्थ्य तकनीक : लगभग 4-9 लाख रुपये सालाना-कृषि तकनीक : लगभग 3.5-8 लाख रुपये सालाना
 - मीडिया/डिजिटल क्षेत्र : लगभग 3-7 लाख रुपये सालाना
- नोट : वेतन कंपनी, शहर, संस्थान, कौशल और अनुभव के अनुसार काफी अलग हो सकता है।

खबर संक्षेप

विराट संत सम्मेलन की तैयारियां जोरों पर

हिसार। सोहम महामंडल शाखा हिसार समिति की बैठक रविवार को देवी भवन स्थित गोंयका सेवा सदन में समिति प्रधान इंद्र चंद राठी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में 7 सितंबर से आयोजित होने वाले विराट संत सम्मेलन की तैयारियों को लेकर विचार-विमर्श किया गया। समिति के उपप्रधान राकेश गर्ग ने बताया कि परम पूज्य अनंत श्री विभूषित महामंडलेश्वर स्वामी निवेकानंद जी महाराज वृंदावन वालों की सत्यप्रेरणा एवं उनके कृपापात्र सोहम पीठाधीश्वर श्री सत्यानंद महाराज की अध्यक्षता में विराट संत सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है।

हनुमान मंदिर में बने सभी पात्र व सेवादार सम्मानित

हिसार। जवाहर नगर स्थित श्रीरामभक्त हनुमान मंदिर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गत दिवस श्रीकृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। जन्माष्टमी पर्व में जिन-जिन बच्चों ने सजीव झांकियों में विभिन्न पात्रों के रूप में भाग लिया था, उन सभी बच्चों को मंदिर प्रांगण में स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। मंच संचालन ललित राठी ने किया। इस अवसर पर मंदिर समिति के प्रधान इन्द्र चंद राठी के अलावा भगत चंद महता, हनुमान दास राठी, प्रीतम छावड़ा, हरबंस प्रोवर, सुरेश बांगा, दीपक कक्कड़, विशु मेहता आदि रहे।

इनेलो सरकार बनने पर खेतों में खरीदी जाएगी किसानों की फसल



नारनौद। इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमय सिंह चौटाला ने कहा है कि प्रदेश में भाजपा सरकार से सभी वर्ग परेशान हैं। इनेलो की सरकार बनने पर किसानों की फसल खेतों में ही खरीदी जाएगी। वे रविवार को नारनौद अनाज मंडी में इनेलो के राष्ट्रीय प्रवक्ता उमेद सिंह लोहान की ओर से आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। अमय चौटाला ने कहा कि 27 सितंबर को गृह में जननायक चौधरी देवीलाल की जयंती के अवसर पर सम्मान दिवस मनाया जाएगा। उन्होंने प्रदेशवासियों से इसी पगड़ी पहनकर बड़ी संख्या में समारोह में पहुंचने और इसे ऐतिहासिक बनाने का आह्वान किया। कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर विषाला साधत हुए अमय चौटाला ने आरोप लगाया कि उन्होंने भाजपा के साथ मिलीभगत कर प्रदेश की जनता के साथ धोखा किया है। उन्होंने राज्यसभा चुनाव को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए और कहा कि समय आने पर संबंधित लोगों के नाम सामने लाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर हैं और किसान भी परेशान हैं।

शिक्षक दिवस पर 62 शिक्षकों का किया सम्मान पौधरोपण से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

हरिभूमि न्यूज़

लायंस क्लब हिसार गौरव की ओर से शिक्षक दिवस के अवसर पर न्यू यशोदा पब्लिक स्कूल में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान क्लब के वरिष्ठ सदस्य एवं पीडीजी लायन एसपी गोयल का जन्मदिन भी सेवा और सम्मान के रूप में मनाया गया। समारोह में विद्यालय के 62 शिक्षकों को शिक्षा एवं समाज निर्माण में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। विद्यालय के डायरेक्टर डॉ. जगमोद एवं प्रधानाचार्या श्रीमती बिश्वदेई की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम



हिसार। एनवाईपीएस स्कूल में शिक्षकों को सम्मानित करते लायंस क्लब के पदाधिकारी एवं स्कूल परिसर में पौधारोपण करते क्लब सदस्य।

में लायन परवीन नारंग, कोऑर्डिनेटर, डिस्ट्रिक्ट 321ए3

विशेष रूप से मौजूद रहें। शिक्षक सम्मान कार्यक्रम के प्रोजेक्ट



डॉ. एलएन सारस्वत की स्मृति में रक्तदान शिविर, 102 यूनिट रक्त एकत्रित हिसार। रक्त डॉ. एलएन सारस्वत के 83वें जन्मदिवस के अवसर पर रविवार को डाबड़ा चौक स्थित सारस्वत अस्पताल में डॉ. विजय सारस्वत एवं इंदुपार्षद इंडिया एनजीओ की ओर से रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए कुल 102 यूनिट रक्तदान किया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः यज्ञ के साथ हुआ, जिसके बाद रक्तदान शिविर शुरू हुआ। कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिवक्ता पीके के संधीर, पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. कमल गुप्ता और मेयर प्रवीण पोपली मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। जगदीश जिंदल, संजय डालमिया और रामनिवास गोयल ने विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया। इस दौरान शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए डॉ. मनोज छाबड़ा, रामकुमार सांगवान और सुमन चावला को शिक्षक सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम में स्व. डॉ. एलएन सारस्वत के चिकित्सा, साहित्य और समाजसेवा के क्षेत्र में किए गए योगदान को याद किया गया। उन्हीं मूल्यों को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान करने वाले लोगों और शिविर में सेवाएं देने वाले स्वयंसेवकों को प्रशस्ति पत्र एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. एलएन सारस्वत के परिवार से डॉ. परमेश्वरी सारस्वत, डॉ. विजय सारस्वत, डॉ. सुनीता सारस्वत, अधिवक्ता कांतिकेय सारस्वत, कलावती सारस्वत, अधिवक्ता रवीश्याम चतुर्देई, प्रो. मीनाक्षी शर्मा और वैभव शर्मा सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। इंदुपार्षद इंडिया की ओर से प्रबंध कामरा, राजन नागापाल, श्रवण तंवर, शिवा, निखन पाहुजा, नवीन वर्मा, रजनी चौधरा, गोवर्ध सैनी और पुनीत गोवर सहित स्वयंसेवकों ने सेवाएं दीं।

हरिभूमि न्यूज़

हरियाणा सरकार की एसएफएएल (सफल) योजना के तहत यहां ऑनलाइन परीक्षा का आयोजन किया गया। स्किल असिस्टेंट फेलोशिप इन एडवांस्ड आईटी लॉर्निंग के अंतर्गत धोबी घाट के पास स्थित हारटोन प्रवीन स्किल सेंटर में आयोजित परीक्षा में विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया।

संस्थान के संचालक भारत भूषण त्रिखा व सुनील शर्मा ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा इस योजना के अंतर्गत 1000 विद्यार्थियों को 75 प्रतिशत छात्रवृत्ति प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। योजना का लाभ ऐसे विद्यार्थियों को दिया जाएगा, जिनके परिवार की वार्षिक आय 1.80 लाख से कम है। उन्होंने बताया कि

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर लायन सजीव गोवर, टेजर, लायन संजय वर्मा, लायन राजेश माटिया, लायन विपिन अरोड़ा एवं श्रीमती शिखा अरोड़ा, लायन आरके सिंगला तथा लायन एस. गोयल सहित क्लब के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

चेयरपर्सन लायन अजय गोयल तथा को-प्रोजेक्ट चेयरपर्सन लायन संजय रहेजा हैं। पौधारोपण परियोजना की जिम्मेदारी प्रोजेक्ट चेयरपर्सन लायन आरके जैन और को-चेयरपर्सन लायन राजीव तनेजा ने संभाली।

छात्रों को आधुनिक एवं रोजगारपरक आईटी पाठ्यक्रमों में प्रदान किया जाएगा प्रशिक्षण

सरकार की 'सफल' योजना: गरीब छात्रों को तकनीकी कौशल देने के लिए हुई परीक्षा

हरिभूमि न्यूज़



हिसार। प्रदेश सरकार की योजना के तहत परीक्षा देते विद्यार्थी।

फोटो : हरिभूमि

सफल योजना के अंतर्गत चयनित विद्यार्थियों को हारटोन के आधुनिक एवं रोजगारपरक आईटी पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इनमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), साइबर सिक्योरिटी, डाटा एनालिसिस व क्लाउड कंप्यूटिंग आने वाले समय की प्रमुख आवश्यकताएं हैं। इस योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को आधुनिक

कि वर्तमान समय में आईटी एवं डिजिटल तकनीक के क्षेत्र में रोजगार के अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं और एआई, साइबर सिक्योरिटी, डाटा एनालिसिस व क्लाउड कंप्यूटिंग आने वाले समय की प्रमुख आवश्यकताएं हैं। इस योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को आधुनिक

तकनीकी कौशल प्रदान कर उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसरों के लिए तैयार करना है। उन्होंने कहा कि सफल योजना हरियाणा के युवाओं को नई एवं उभरती तकनीकों से जोड़ने तथा उन्हें भविष्य की रोजगार आवश्यकताओं के अनुरूप कुशल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

सैकड़ों साधक राधा, मीरा और ओशो, कृष्ण-प्रेम की तीन अलग-अलग दिशाओं के प्रतीक: स्वामी शैलेंद्र सरस्वती

ओशो ध्यान उपवन: स्वामी शैलेंद्र ने बताए कृष्ण-प्रेम के तीन रूप

कृष्ण कोई दार्शनिक विचार नहीं थे बल्कि जीवंत उपस्थिति थे

हरिभूमि न्यूज़



हिसार। ओशो ध्यान उपवन में आयोजित महासत्संग में हिस्सा लेते साधक।

फोटो : हरिभूमि

महासत्संग में स्वामी शैलेंद्र सरस्वती ने जीवन को सहजता, आनंद और उत्साह के साथ जीने का संदेश दिया। उन्होंने समझाया कि प्रभु श्रीकृष्ण को प्रेम करने के अनेक मार्ग हो सकते हैं। कोई उन्हें अपनी आंखों के सामने उपस्थित प्रियतम की तरह देखता है, कोई उन्हें हृदय में बसे आराध्य की तरह अनुभव करता है और कोई उन्हें

भीतर जागी हुई चेतना के रूप में पहचानता है। राधा, मीरा और ओशो, कृष्ण-प्रेम की ऐसी ही तीन अलग-अलग दिशाओं के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि राधा ने साकार देह से प्रेम किया। उनके लिए कृष्ण कोई दार्शनिक विचार नहीं थे बल्कि एक जीवंत उपस्थिति थे। उनकी बांसुरी की धुन, उनकी आंखें, उनका स्पर्श, सब कुछ राधा

के लिए प्रेम का द्वार बन गया। राधा का प्रेम इतना गहरा था कि उसमें प्रेमी और प्रिय के बीच का अंतर धीरे-धीरे मिटने लगा। कृष्ण बाहर थे लेकिन राधा की पूरी चेतना कृष्णमय हो गई। मीरा ने हृदय के भाव से प्रेम किया। कृष्ण उनके लिए देह से दूर थे फिर भी हृदय में अत्यंत निकट थे। उन्होंने संसार की मान्यताओं, सामाजिक बंधनों और

कृष्ण-प्रेम की दिशाएं

स्वामी शैलेंद्र सरस्वती ने बताया कि ओशो ने कृष्ण को चेतना के तल से प्रेम किया। उन्होंने कृष्ण को केवल इतिहास के व्यक्ति या धार्मिक देवता के रूप में नहीं देखा। उनके लिए कृष्ण जीवन की समग्रता के प्रतीक हैं, प्रेम भी, ध्यान भी, नृत्य भी, मौन भी, संसार भी और संन्यास भी हैं। ओशो की दृष्टि में कृष्ण वह चेतना है जो जीवन को पूरी तरह स्वीकार करती है और फिर भी उससे भीतर से मुक्त रहती है। स्वामी शैलेंद्र सरस्वती ने प्रवचन में कहा कि राधा का प्रेम देह से हृदय की ओर गया, मीरा का हृदय से आत्मा की ओर, और ओशो ने कृष्ण को चेतना के शिखर पर देखा। तीनों की यात्रा अलग है लेकिन मूलिल एक ही है, जहां प्रेम इतना पूर्ण हो जाए कि प्रेम करने वाला स्वयं मिट जाए और केवल कृष्ण शेष रह जाए।

विरोध की परवाह नहीं की। उनके लिए कृष्ण ही पति, मित्र, स्वामी और प्राण थे। मीरा का प्रेम विरह में भी पूर्ण था। कृष्ण सामने नहीं थे फिर भी उनकी अनुपस्थिति ही उपस्थिति बन गई। मीरा ने सिद्ध किया कि प्रेम को स्पर्श की नहीं, समर्पण की आवश्यकता है।

मां के नाम लगाया पौधा, दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

हिसार। ग्राम पंचायत कैमरी में रविवार को एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। मंडलायुक्त गीता भारती ने गांव के शिवधाम, पंचपीर जोहड़ सहित विभिन्न स्थानों पर पौधे लगाकर ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने का संदेश दिया। मंडलायुक्त ने कहा कि पेड़ पर्यावरण को स्वच्छ और संतुलित रखने के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की नींव है। एक पेड़ मां के नाम अभियान लोगों को भावनात्मक रूप से प्रकृति से जोड़ने की दिशा में सराहनीय पहल है। उन्होंने लोगों से अपनी मां के नाम एक पौधा लगाने और उसकी नियमित देखभाल करने का संकल्प लेने का आह्वान किया। इस दौरान मंडलायुक्त ने गांव की ज्वाल धर्मशाला में डॉ. भारत भूषण की टीम द्वारा आयोजित निशुद्ध नेत्र जांच शिविर का भी शुभारंभ किया।

शिक्षक दिवस पर शिक्षा जगत की चुनौतियों पर की चर्चा



हिसार। वानप्रस्थ संस्था की ओर से शिक्षक दिवस मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित बैठक में शिक्षा व्यवस्था की चुनौतियों और शिक्षक की भूमिका पर चर्चा की गई। इस दौरान जाट कॉलेज के सेवानिवृत्त लेक्चरर पद्म मेहता का जन्मदिन भी मनाया गया। रिटायर्ड आईईएस डॉ. युद्धबीर सिंह ख्यालिया ने कहा कि शिक्षक अज्ञानता के अंधकार को प्रकाश में बदलता, दिलों में उमंग भरता और जीवन में सही दिशा देता है। सुदेश कालड़ा ने 1960 के दशक की शिक्षा व्यवस्था को याद करते हुए सरकारी स्कूलों में पढ़ाई के साथ खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों के महत्व को बताया। प्राथमिक शिक्षिका रही मूखेड़ा ने बच्चों के साथ भोजन कर उनके जुड़ने का अनुभव साझा किया। डॉ. मोहन गुप्ता ने स्थायी शिक्षकों की संख्या में गिरावट पर चिंता जताई। डॉ. बलजीत म्यान ने शिक्षा के निजीकरण को चिंतित वर्ग के लिए चुनौती बताया। अजित सेठी ने बदती कोविंग और नॉन-अर्टेंडिंग स्कूलों पर चिंता जताई। डॉ. मंगल सैन मलिक ने एआई और डिजिटल लाइब्रेरी के साथ विद्यार्थियों के लेखन से दूर होने के प्रभाव पर चर्चा की। सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शशि मेहतानी ने बुजुर्गों को देखभाल की पाठ्यक्रम में शामिल करने का सुझाव दिया।

न्यूज डायरी



वित्तीय साक्षरता शिविर में बैंकिंग से जुड़ी दी जानकारी हिसार। अग्रोहा के ग्राम सचिवालय में वित्तीय साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। एसबीआई के सहयोग से लगाये गये इस शिविर में आम जन को बैंकिंग से जुड़ी जानकारी दी गई। आरबीआई अधिकारी आलोक रंजन, वित्तीय कार्डेसलर लालचंद तथा आरओ फाऊंडेशन की वित्तीय कार्डेसलर सुशीला देवी ने सरकार की योजनाएं जैसे सुरक्षा बीमा, जीवन उत्पत्ति बीमा, बैंक ऋण व जमा संबंधी जानकारी प्रदान की गई। एसबीआई के वित्तीय कार्डेसलर लालचंद ने फ्रॉड से बचने व बैंक गाहकों को सजगता से काम करने की सलाह दी। इस अवसर पर रामअवतार, प्रदीप कुमार, मुकेश कुमार, अनिल कुमार, हरीश कुमार, नीलम देवी समेत गांव के मौजिज लोग व बैंक गाहक भी मौजूद रहे।



यूजीसी के नए नियमों के विरोध में जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करेगा ब्राह्मण समाज

हिसार। जहाज पुल स्थित जिला ब्राह्मण धर्मशाला में रविवार को ब्राह्मण समाज की कार्यकारिणी की बैठक जिला प्रधान रतन लाल शर्मा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में यूजीसी के नए नियमों को काला कानून बताते हुए इनके विरोध में दिल्ली के जंतर-मंतर पर विशाल प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया। जिला प्रधान रतन लाल शर्मा ने कहा कि हिसार सहित पूरे प्रदेश से सैकड़ों की संख्या में समाज के लोग दिल्ली पहुंचकर प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने सरकार से इन नियमों को तत्काल वापस लेने का मंगर करते हुए कहा कि मांग नहीं मानी गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। बैठक में पूर्व मंत्री नीता भुक्कल की हलिया कथित आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर भी रोष जताया गया। समाज ने उनसे टिप्पणी वापस लेकर सार्वजनिक रूप से माफ़ी मांगने की मांग की। ऐसा नहीं होने पर प्रदेश स्तर पर विरोध प्रदर्शन की चेतावनी दी गई।

विद्यार्थियों ने तैयार किया पेंटिंग का बेस

हिसार। सामाजिक संस्था हमारा प्यार हिसार एवं होली चाल्डर सैनियर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने रविवार को सूर्य नगर अंडरपास में चल रही पेंटिंग गतिविधि को आगे बढ़ाते हुए दीवारों पर सफेद रंग का बेस तैयार किया। अभियान में संस्था के वॉलंटियर्स के साथ स्कूल के 100 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पिछले सप्ताह शुरू की गई पेंटिंग गतिविधि के अगले चरण में विद्यार्थियों ने अंडरपास की दीवारों पर स्टाइल पेंट किया। आने वाले हफ्तों में इसी बेस पर सुंदर एवं रंग-बिरंगी वर्तों आर्ट बनाई जाएगी। संस्था का उद्देश्य अंडरपास को आकर्षक, स्वच्छ एवं सुंदर स्वरूप देना है, ताकि यह स्थान शहरवासियों के लिए आकर्षक का केंद्र बन सके। इस अवसर पर स्कूल के डायरेक्टर राजपाल सिंह ने संस्था के सदस्यों का आभार जताते हुए कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ सामाजिक जिम्मेदारियों से जोड़ना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि स्कूल की ओर से भविष्य में भी विद्यार्थियों को पेंटिंग, पौधारोपण और अन्य सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया जाएगा। हमारा प्यार हिसार संस्था के सदस्यों ने विद्यार्थियों को सामाजिक सरोकारों के महत्व के बारे में बताया।



गुरु नानक स्कूल में मनाया शिक्षक दिवस

हिसार। मंडल टाउन स्थित गुरु नानक देव सैनियर सैकेंडरी स्कूल में शिक्षक दिवस श्रद्धापूर्वक धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पंजाबी कल्याण मंच हरियाणा के प्रधान इंद शर्मा ने शिक्षकों के महत्त्व को बताते हुए कहा कि शिक्षक का स्थान एक तरह से भगवान के भी बड़ा है। कबीर जी का दोहा पढ़ते हुए उन्होंने कहा कि गुरु गोविंद दोनों खड़े, काके लागू पाए, बलिहारी गुरु आपने जिन गोविंद दियो मिलाये। मुख्य अतिथि इंद शर्मा ने कहा कि शिक्षक अचल में समाज का उत्थान अपने शिष्यों के माध्यम से करता है। उन्होंने कहा कि इस पेशे को सिर्फ पैसे से जोड़कर नहीं देखा जा सकता। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने अपने-अपने अध्यापकों की एकदम सेम नकल कर माहौल की खुशनुमा बनाया और स्कूल के समूह स्टाफ ने खूबसूरत समूह गायन पेश किया।



एनआईआरसी हिसार ब्रांच ने शिक्षक दिवस पर आयोजित किया कार्यक्रम

हिसार। चार्टर्ड अकाउंटेंट की संस्था एनआईआरसी हिसार ब्रांच की ओर से शिक्षक दिवस श्रद्धापूर्वक धूमधाम से मनाया गया। सेक्टर 16-17 के इंस्टीट्यूशनल परिया में स्थित आईसीएसआई भवन में कार्यक्रम आयोजित करके शिक्षकों को सम्मानित भी किया गया। एनआईआरसी हिसार ब्रांच के चेयरमैन सीए अजय गोयल ने अंजू गुप्ता, गगन शर्मा, सीए श्रुति सुनेजा, सीए कीर्ति सिंगल, सीए विनोद कुमार, सीए जितेश एलवादी व मयंक शर्मा को सम्मानित किया। इस कार्यक्रम के आयोजन में एनआईसीएसए (निकास) टीम का विशेष योगदान रहा।

कुम्हार जागृति मंच की बैठक में डॉ. रत्नप्पा कुम्हार का जन्मदिन मनाने की बनाई रणनीति

हिसार। कुम्हार जागृति मंच, हिसार इकाई की बैठक रविवार को प्रेम नगर स्थित कुम्हार धर्मशाला में हुई। बैठक की अध्यक्षता डॉ. ओम प्रकाश नेहरा ने की, जबकि संचालन महेंद्र छिओलिया ने किया। बैठक में भारत के संविधान निर्माण की प्रारूप समिति के सदस्य, स्वतंत्रता संग्राम के महान सेनानी, महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री एवं समाजसेवी डॉ. रत्नप्पा कुम्हार का जन्मदिन 15 सितंबर को धूमधाम से मनाने की रणनीति तैयार की गई।

केदखली सूचना

हम, प्रेम पुत्र श्री भादर सिंह एवं पुनीता पत्नी श्री प्रेम निवासोपगम नमन नंर 1529, सर खेद राम कालेली, निरकारी भवन के पास, अतिरक्त करके हैं कि हमारा पुत्र पूरुष सिंह व उसकी पत्नी कशिरा दोनों हमारे कानून व सुनने से बाहर हैं। अतः हम अपने पुत्र पूरुष सिंह व उसकी पत्नी कशिरा को अपनी चत-अवल सम्पत्ति से बेदखल करते हैं। भविष्य में कोई भी व्यक्ति हमारे उक्त पुत्र व उसकी पत्नी के साथ कोई लेन-देन या व्यवहार करता है तो उसका वह स्वयं निम्नोद्वार होगा, हमारी व हमारे परिवार की कोई निम्नोद्वार नहीं होगी। शपथकार

खबर संक्षेप



जूडो अकादमी के खिलाड़ी ने दिखाया दमदम

हांसी। 59वीं हरियाणा राज्य स्कूल खेलकूद प्रतियोगिता 2026-27 के तहत कैथल के सर छोटू राम स्टेडियम में आयोजित जूडो प्रतियोगिता में ढाणी कुम्हारान जूडो अकादमी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। ढाणी कुम्हारान की महक ने 5 से 7 सितंबर तक चल रही इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में 27 किलोग्राम भार वर्ग में दूसरा स्थान हासिल कर रजत पदक अपने नाम किया, वहीं ढाणी पिरान की सारिका ने 32 किलोग्राम भार वर्ग में तीसरा स्थान प्राप्त कर कांस्य पदक जीता। दोनों खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से गांव में खुशी का माहौल है। खिलाड़ियों ने अपनी मेहनत, लगन और शानदार खेल प्रदर्शन से न केवल अपने विद्यालय व अकादमी बल्कि अपने गांव का नाम भी रोशन किया।

सरकार चाह रही विकास करवाना, अधिकारी रोक रहे काम : सुनीता लोहान

नारनौद। प्रदेश सरकार विकास कार्यों को गति देने का दावा कर रही है, लेकिन नारनौद के वार्ड नंबर-14 में विकास कार्य नहीं होने पर



पार्षद सुनीता लोहान।

पार्षद सुनीता लोहान ने नगर पालिका प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने विकास कार्य शुरू करवाने की मांग पर नगर पालिका ईओ, एसडीएम नारनौद और डीसी हांसी को शिकायत दी है। पार्षद सुनीता लोहान ने शिकायत में कहा कि वार्ड में करीब डेढ़ वर्ष से कोई विकास कार्य नहीं हुआ है। उनके अनुसार वार्ड में विकास कार्य करवाने के लिए कई बार प्रशासन से आग्रह किया गया, लेकिन इसके बावजूद काम शुरू नहीं हो पाया।



गुरु पूजा व सत्संग के साथ मनाया शिक्षक दिवस

हिसार। आर्ट ऑफ लिविंग हिसार केंद्र की ओर से शिक्षक दिवस के अवसर पर विशेष गुरु पूजा एवं सत्संग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शहर के बड़ी संख्या में साधकों, अनुयायियों और योग प्रेमियों ने भाग लिया। स्टेट मीडिया कोऑर्डिनेटर नीरज कुमार गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ वेद मंत्रों के उच्चारण और गुरु पूजा के साथ हुआ। इसके बाद आयोजित सत्संग में डॉ. उमेश आर्य एवं भारती मुंजाल ने मधुर भजनों की प्रस्तुति दी, जिससे वातावरण आध्यात्मिक हो गया। साधकों ने सत्संग में भाग लेकर आध्यात्मिक शांति का अनुभव किया। शिक्षकों ने गुरु के महत्व पर प्रकाश डालते हुए जीवन की चुनौतियों प्रकाश डाला।

नेत्रदान जागरूकता मैराथन में सैकड़ों लोगों ने भाग लिया

हिसार। अखिल भारतीय सेवा संघ शाखा की ओर से नेत्रदान के प्रति जागरूकता लाने के लिये टाउन पार्क में मैराथन करवाई गई। इसमें मुख्य अतिथि पूर्व राज्यसभा सांसद जनरल डीपी वत्स, पूर्व केबिनेट मंत्री डॉ. कमल गुप्ता व मेयर प्रवीण पोपणी रहे जबकि अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. इन्द्र गोयल ने की। सभी अतिथियों को बुकेट, पटका व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। मैराथन के प्रोजेक्ट चेयरमैन डॉ. नम्रता अग्रवाल, संजय सेहरा, अजय गोहर, राजेंद्र अग्रवाल, सोनिया गोहर, हितु माटिया थे। डॉ. नम्रता अग्रवाल ने भी नेत्रदान के बारे में लोगों को जागरूक करते हुए सभी को विस्तार से बताया। मैराथन में आरंभ केकेफर सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ दीपक नागपाल, अमन कोर जिम के सभी सदस्यों के साथ, ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष किनोद तोशावर व अगुक्त समिति के सभी सदस्यों ने मैराथन में भाग लिया।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 7988727916, 9315429403, 9253681005

सफाई गाड़ी के शीशे तोड़ने का मामला

यूनियन प्रधान गिरफ्तार, सुरेंद्र उर्फ गोलू को नगर निगम कार्यालय से दबोचा



हिसार। नगर निगम सफाई कर्मचारी यूनियन प्रधान सुरेंद्र उर्फ गोलू को ले जाती पुलिस टीम और सेक्टर-13 में कवरा उठाती निगम की गाड़ियों।

निगम कार्यालय से गिरफ्तारी

मामले की जांच के बाद सिविल लाइन थाना पुलिस की टीम रविवार को सुरेंद्र उर्फ गोलू की गिरफ्तारी के लिए नगर निगम कार्यालय पहुंची। पुलिस ने उसे वहीं से हिरासत में ले लिया। पुलिस कार्रवाई के दौरान निगम कर्मचारियों ने विरोध किया, लेकिन पुलिस ने आरोपी को अपने कब्जे में लेकर थाने पहुंचाया। पुलिस अब मामले में नामजद अन्य आरोपियों की भूमिका और घटना से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है।

ईंटें उठाकर गाड़ी के शीशों पर वार करने का आरोप शिकायत के अनुसार पवन दरोगा ने गाड़ी की कंडक्टर साइड जाकर पुलिस कर्मचारी से बदसलामी शुरू कर दी। इसी दौरान सुरेंद्र उर्फ गोलू ने ईंटें उठाकर गाड़ी के शीशों पर वार कर दिए और उन्हें तोड़ दिया। आरोप है कि इसके बाद आरोपियों ने चालक नरेंद्र कुमार के साथ हाथापाई की और गाड़ी की चाबी छीन ली। आरोपियों ने सुपे से गाड़ी के सभी टायर पंचर कर दिए और जाते समय धमकी भी दी।

जांच पीएसआई सोहित कर रहे हैं। जेई नवीन कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह वार्ड

नंबर-14 में चल रहे डोर-टू-डोर सफाई अभियान के ओवरऑल इंचार्ज थे। अभियान के तहत



हिसार। नगर निगम सफाई कर्मचारी यूनियन प्रधान सुरेंद्र उर्फ गोलू को ले जाती पुलिस टीम और सेक्टर-13 में कवरा उठाती निगम की गाड़ियों।

नगर परिषद बरवाला में हड़ताल रही

बरवाला। सर्व कर्मचारी संघ के आह्वान पर नगर परिषद बरवाला में चल रही हड़ताल 32 वें दिन भी जारी रही। इस हड़ताल की अध्यक्षता पवन कुमार ने की और मंच संचालन विककी ने किया। इस हड़ताल में शामिल इन गुरुवार कर्मचारियों ने सरकार को चेताते हुए कहा कि जब तक 13 मई का समझौता लागू नहीं करते तब तक हड़ताल जारी रहेगी। इस हड़ताल की अध्यक्षता कर रहे पवन कुमार ने कहा कि जब तक शरीर में जान है तब तक हड़ताल जारी रहेगी। इस हड़ताल में सफाई कर्मचारियों समेत फायर बिगेड कर्मचारियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर विककी, सोनू, विनोद, विजय, नरेश, शैलेंद्र, अंजेली, सुदेश, रेखा, मंजू, पूजा, दीपमाला, राजकुमारी व अति आदि मौजूद रहे।

चालक नरेंद्र कुमार पुलिस इमवाद के साथ कचरा उठाने वाली सरकारी गाड़ी लेकर सेक्टर-13 मार्केट में पहुंचा था। इसी दौरान

बाइक पर सुरेंद्र उर्फ गोलू, पवन दरोगा और उनके साथी वहां पहुंचे और गाड़ी के आगे बाइक अड़ाकर रास्ता रोक लिया।

चेयरमैन प्रवीण सैनी ने किसानों को बांटे चेक

- सरकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से जागरूक किया

हरिभूमि न्यूज

बरवाला

मार्केट कमेटी बरवाला द्वारा मंडी रोड पर स्थित किसान रेट हाउस में किसान जागरूक अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान किसानों को फसल बिक्री, मंडी में उपलब्ध सुविधाओं तथा किसानों के हित में संचालित विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से जागरूक किया गया। अभियान के दौरान मार्केट कमेटी चेयरमैन प्रवीण सैनी ने किसानों को अपने संबोधन में कहा कि अपनी फसल को सरकारी रेट पर बेचने एवं



बरवाला। मार्केट कमेटी चेयरमैन प्रवीण सैनी किसानों को चेक वितरित करते हुए।

विभिन्न सरकारी सुविधाओं का लाभ लेने के लिए 'मेरी फसल-मेरा ब्यूरो' पोर्टल पर पंजीकरण करवाना आवश्यक है। किसानों को फसल को अच्छी तरह सुखाकर मंडी में लाने तथा मंडी गेट पर पहुंचने के बाद गेट पास अवश्य जारी करवाने के लिए प्रेरित किया

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर मार्केट कमेटी सचिव मनदीप राणा, वाइस चेयरमैन रोशन धनघस, किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष राजपाल नयाना, रोहतस खरकड़ी, सतीश गिल, कृष्ण वर्मा, रवीश मयाण, पार्षद सतबीर सैनी, उणधीर बुरा, रामेश्वर मयाण, भीम कथूरिया गप्पी, बलजीत व सरबरा समेत अनेक किसान उपस्थित रहे।

पर 75 हजार रुपये तथा आंशिक उंगली कटने पर 37 हजार पांच सौ रुपये तक की सहायता का प्रावधान है। इस के तहत चार किसानों के साथ खेत में कार्य करते हुए हादसा हो गया था। उन किसानों को 3 लाख 12 हजार 500 रुपये के चैक वितरित किए गए।

सुरजेवाला की नियुक्ति से कांग्रेसियों में जश्न

- कार्यकर्ताओं ने सुरजेवाला को गुजरात कांग्रेस प्रभारी बनाए जाने पर बांटे लड्डू

हरिभूमि न्यूज

हिसार

वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला को गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी का प्रभारी नियुक्त किए जाने और कर्नाटक कांग्रेस के प्रभारी के रूप में उनकी जिम्मेदारी बरकरार रखने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने खुशी जताई है। इस अवसर पर कांग्रेस भवन में जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण हिसार के अध्यक्ष बृजलाल बहबलपुरिया ने नेतृत्व में कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को बधाई दी और लड्डू बांटकर खुशी मनाई। कार्यक्रम में वरिष्ठ नेता सतपाल



हिसार। सुरजेवाला की नियुक्ति पर खुशी जताते कांग्रेसजन।

कुलाडिया, एससी प्रदेश सचिव सुखबीर नागर, युवा नेता आनंद राजखंड, भरत सिंह मलिक, पूर्व महिला प्रदेश उपाध्यक्ष एडवोकेट कमल सहरावत, रमेश चाहर, गीता आहूजा, दलजीत पंघाल, विनोद लॉयल, रामफल शिले, डॉ. भूप सिंह

घोडेल, राजकुमार कालीरावण, महिपाल सिंह, किसान नेता बलराज मलिक, दिनेश अग्रवाल, कृष्ण कुमार, पूर्व ईटीओ अजीत सिंह, प्रदीप जाखड़, एडवोकेट सुनील कुमार, प्रियांश कुंड़, विक्रम, चंद्रशेखर आजाद सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कार्यक्रम

आर्य समाज नागोरी गेट लाला लाजपतराय चौक का श्रावणी पर्व संपन्न

सप्तक्रांति के माध्यम से राष्ट्र में जन जागृति पैदा

कर रहा आर्य समाज : स्वामी आर्यवेश

- वर्तमान समय में आर्य समाज का दायित्व और अधिक बढ़ा

हरिभूमि न्यूज

हिसार

आर्य समाज नागोरी गेट के तत्वावधान में श्रावणी पर्व के अवसर पर आयोजित सात दिवसीय वेद प्रचार सप्ताह का समापन हुआ। इस अवसर पर सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान एवं मुख्य वक्ता स्वामी आर्यवेश तथा प्रसिद्ध भजनोंपदेशिका विदूषी संगीता आर्या का नागरिक अभिनंदन किया गया। आर्य समाज के



पूर्व प्रधान चौ. बदलराम आर्य को भी सम्मानित किया गया। समापन सत्र में स्वामी आर्यवेश ने कहा कि महर्षि दयानंद सरस्वती देश की स्वतंत्रता के प्रथम उद्योषक और आर्य समाज के



हवन में आहुति डालते यजमान व शिक्षण संस्थाओं के छात्र-छात्राएं भजन प्रस्तुत करते हुए।

संस्थापक थे। उनकी प्रेरणा से पं. श्याम जी कृष्ण वर्मा, भाई परमानंद, लाला लाजपतराय, स्वामी श्रद्धानंद, लाला हरदयाल, सरदार भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव, पं. राम प्रसाद

बिस्मिल, अशफाक उल्ला खां, ठाकुर रोशन सिंह, राजेंद्र प्रसाद लाहिड़ी, बहन दुर्गा और शास्त्री देवी सहित अनेक क्रांतिकारियों ने स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर प्रधान देवेंद्र सिंह सैनी, महामंत्री नरेंद्रपाल मिगलानी, रमेश लीखा, उपप्रधान दलबीर सिंह आर्य, नंद लाल चोपड़ा, राजबीर भाटीवाल, सत्यप्रकाश गोयल, शमशेर सिंह लाडवा, बंसीलाल, प्र. राजबीर सिंह, पवन सैनी हांसी, सिन्धी

वर्तमान परिस्थितियों में आर्य समाज का दायित्व और बढ़ गया है। सप्त क्रांति के माध्यम से जातिवाद, नशा, साम्प्रदायिकता, पाखंड, नारी उत्पीड़न और शोषण मुक्त समाज के लिए जनजागृति की जा रही है।



हिसार। शॉटपुट एथलीट रवि अपने कोच रिकू रानी के साथ प्रसन्न मुद्रा में।

विद्युत नगर खेल ग्राउंड के रवि ने एथलेटिक्स में जीता कांस्य

- शॉटपुट में 18.58 मीटर थ्रो के साथ हासिल किया तीसरा स्थान
- पहले एशियन गेम्स में कर चुके हैं भारत का प्रतिनिधित्व

हरिभूमि न्यूज

हिसार

विद्युत नगर खेल मैदान में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवा एथलीट रवि ने लुधियाना में आयोजित 21वीं यूथ नेशनल एथलेटिक्स चैंपियनशिप-2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीता। रवि ने शॉटपुट स्पर्धा में 18.58 मीटर का बेहतरीन थ्रो कर तीसरा स्थान हासिल किया और हरियाणा का नाम रोशन किया। रवि इससे पहले यूथ एशियन गेम्स-2025 में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए चौथा स्थान हासिल कर चुके हैं। इसके अलावा वह खेलो इंडिया प्रतियोगिता में भी हरियाणा का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। उनकी इस उपलब्धि का श्रेय निरंतर अभ्यास और कोच रिकू रानी के मार्गदर्शन को दिया जा रहा है। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम (डीएचबीवीएन) के स्पোর্ट्स ऑफिसर एवं हरियाणा ओलिंपिक एसोसिएशन के संयुक्त सचिव रविंद्र पानू ने भी रवि सहित

कोच ने सराहा

कोच रिकू रानी ने कहा कि युवा खिलाड़ियों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। जरूरत उन्हें सही दिशा, बेहतर प्रशिक्षण और पर्याप्त खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने की हैं। उन्होंने कहा कि विद्युत नगर खेल ग्राउंड से लगातार प्रतिभाशाली खिलाड़ी तैयार हो रहे हैं और आने वाले समय में यहां से कई खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। उनका उद्देश्य अधिक से अधिक युवा खिलाड़ियों को तैयार कर उन्हें उच्च स्तर तक पहुंचाना है। उन्होंने खिलाड़ियों से मेहनत को मूल मंत्र बनाकर नियमित अभ्यास करने का आह्वान किया।

अन्य खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा कि खेल युवाओं के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है। खिलाड़ियों को अनुशासन, नियमित अभ्यास और सकारात्मक सोच के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ना चाहिए। उन्होंने खिलाड़ियों को आगामी प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं देते हुए खेल विभाग एवं सरकार की ओर से उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया।